होना तथा दर बीजों के संवर्धन का अनुपात कम होना और खरीफ 1987 के दौरान अधिकांश राज्यों में सूखे की स्थिति बनी रहने के कारण रबी के लिए बीजों की अभूतपूर्व मांग का होना है। राज्य सरकार गेहूं को छोड़ कर सभी फसलों की कमी को पूरा करने के लिए खुद प्रबंध कर रही है। गेहूं के संबंध में बिहार सरकार ने भारत सरकार से गेहूं के अप्रमाणित बीजों की 3 लाख क्विंटल अतिरिक्त मात्रा की आपूर्ति किए जाने के प्रबंध करने का अनुरोध किया है। बिहार राज्य को गेहूं के अप्रमाणित बीजों की आपूर्ति करने के लिए राष्ट्रीय बीज निगम के जरिए भारतीय खाद्य निगम से अच्छे अनाज की खरीद के लिए एक विशेष कार्यपद्धति आरम्भ की गई है। इनके अंकुरण और रोगप्रभाव संबंधी परीक्षण कर लिए जाने के पश्चात् अप्रमाणित बीजों के रूप में इनकी आपूर्ति की गई। उक्त रूप में परिष्कृत इन बीजों की बगैर राज-सहायता दिए लागत 428.84 रुपए प्रति क्विंटल बैठती है। भारत सरकार ने बीजों पर 103.74 रुपए प्रति क्विंटल राज-सहायता देकर बिहार सरकार को ये बीज 325 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर उपलब्ध कराए हैं। सम्पूर्ण कार्य बिहरा सरकार की पूर्ण संतुष्टि से रिकार्ड समय में पूरा कर लिया गया था।

जहां तक बिहार में उर्वरकों का संबंध है, रबी 1987-88 के चालू मौसम में इसकी कमी होने की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। तथापि बिहार सरकार ने नवम्बर, 1987 के दौरान उर्वरकों के अतिरिक्त आबंटन के लिए भारत सरकार को लिखा है तथा बिहार सरकार को उर्वरकों का यह अतिरिक्त आबंटन कर दिया गया है।

**Mini Steel Plants in Andhra Pradesh**

*2940.* SHRI TALARI MANOHAR: Will the Mnister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the number of num steel plants functioning in (Andhra Pradesh at present;

(b) how many more mini steel plants are likely to be set up by 1990 in Andhra Pradesh;

(c) whether Government have made any assessment on the functioning of mini steel plants in Andhra Pradesh; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI M. L. FOTEDAR): (a) There are 8 licensed mini steel plants *in* Andhra Pradesh out of which 5 are functioning at present.

(b) Government have also granted 3 Letters of Intent for setting up new Mini Steel Plants in Andhra Pradesh. According to the schedules of implementation indicated by the entrepreneurs in their applications, it is expected that these units would be set up by 1990. In addition, one unit holding a Letter of Intent for making special steel through the Electro-Slag-refining process is also expected to go in production by 1990.

(c) No,Sir.

(d) Does not arise.

"किसान घाट" का विकास

**2941. श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह के अंत्येष्टि स्थल "किसान घाट" के विस्तार और विकास के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है; और

(ख) इस संबंध में अब तक की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?